तैयारी

आयुष विश्वविद्यालय के आसपास के गांव से होगी इसकी शुरुआत, मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद आयुष विश्वविद्यालय शुरू की पहल

औषधीय पौधों की खेती कराकर किसानों को समृद्ध बनाएगा आयुष विवि

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय किसानों को औषधीय पौधों की खेती कराकर उन्हें आर्थिक रूप से समृद्ध बनाएगा। आयुष विश्वविद्यालय के आसपास के गांवों से इसकी शुरुआत की जाएगी।

इसके लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने उद्यान, कृषि और वन विभाग से आसपास के इलाकों के मिट्टी की जांच कराने का फैसला लिया है। अच्छी बात यह है कि इन औषधीय पौधों को आयुष विश्वविद्यालय खरीदेगा और अपनी फार्मेसी में दवाइयां बनाएगा, जो बाजार में उपलब्ध होंगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर आयुष विश्वविद्यालय ने औषधीय पौधों की खेती कराने का फैसला लिया है। विश्वविद्यालय प्रशासन का मानना है कि आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र में स्थानीय स्तर पर असीम संभावनाएं है। इसे देखते हुए इसकी शुरुआत की जाएगी।

औषधीय पौधों की खरीदारी कर खुद की फार्मेसी में बनाएगा दवा

सबसे पहले इस क्षेत्र के किसानों से जोड़ा जाएगा। किसानों को जोड़ने के लिए विश्वविद्यालय उनके खेतों की मिट्टी की जांच कराकर उन खेतों में कौन से पौधे लगाए जा सकेंगे, इसकी जानकारी देगा। इससे किसानों के घर-घर आयुष के नए-नए काम मिलेंगे। आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एके सिंह ने बताया कि यहां अच्छी मिट्टी, पानी के साथ ही बड़ा जंगल भी है। यही कारण है कि इसकी शुरुआत पहले इसी क्षेत्र से की जाएगी। इसके लिए किसानों से वार्ता शुरू कर दी गई है। किसानों को समझाया जा रहा है कि परंपरागत खेती को छोड़कर औषधीय खेती पर ध्यान दें। लागत कम होने के साथ यह पौधे ज्यादा दाम भी देंगे। इसके लिए उनके खेतों के मिट्टी की जांच भी विश्वविद्यालय कराएगा।

यह खेती पहले कराने की तैयारी

डॉ. एके सिंह ने बताया कि पहले चरण में मिट्टी की जांच कराई जाएगी। इसके बाद कौन से खेत में क्या-क्या औषधीय पौधे हो सकते हैं। इसकी जानकारी किसानों को दी जाएगी। इसके बाद पहले मेथा, अश्वगंधा, लेमनग्रास, सहजन, सतावर, हल्दी, तुलसी, अदरक, अकरकरा और काली मिर्च की खेती की जाएगी। इनकी खेती के बाद इन्हें विश्वविद्यालय खरीदेगा और अपने फार्मेसी में इनका अलग-अलग दवाओं सहित काढ़ा, च्यवनप्राश बनाया जाएगा।

रोजगार के मिलेंगे अवसर

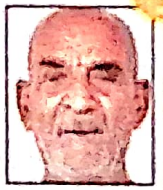

आयुष विश्वविद्यालय की तरफ से यह वार्ता चल रही है कि क्षेत्र में औषधीय पौधों की खेती होगी। अगर ऐसा होता है तो निश्चित तौर पर क्षेत्र के लोग आर्थिक रूप से मजबूत होंगे। इसके लिए एक दो बार पंचायत हो चुकी है। इसी सत्र से खेती कराने की तैयारी है।

- बिन्ना यादव, किसान, भटहट

औषधीय पौधों की खेती के बारे में बताया

औषधीय पौधों की खेती करने की जानकारी दी गई है। इसे लेकर पंचायत भी हो चुका है। जल्द ही मिट्टी जांच कराने की मांग की गई है, जिससे की पता चलेगा कि क्षेत्र में कौन सी औषधीय पौधों की खेती हो सकेगी। अगर विश्वविद्यालय इन पौधों को सीधे खरीदेगा तो ज्यादा लाभ मिलने की उम्मीद है।

- श्रीराम यादव, किसान, चिऊटहा

कौन-कौन से औषधीय पौधों के लिए क्षेत्र उपयुक्त होगा, इसके लिए उद्यान, कृषि और वन विभाग के अधिकारियों से वार्ता शुरू कर दी गई है। बरसात शुरू होने से पहले क्षेत्र के किसानों के खेतों की मिट्टी की जांच कराई जाएगी। इसके लिए किसानों से वार्ता की गई है। उम्मीद है कि इसी सत्र से औषधीय पौधों की खेती शुरू हो जाए। यह औषधीय पौधे विश्वविद्यालय सीधे किसानों से खरीदेगा। यहां की फार्मेसी में औषधीय दवाएं बनाई जाएंगी। - डॉ. एके सिंह, कुलपति, आयुष विश्वविद्यालय